अंक	नाम	अर्थ
1	पावन	पवित्र भगवान.
2	अनिल	जो जीवन-सांस का दाता है.
3	अमृतांश	अमृत पीनेवाले भगवान.
4	अमृतवपु	प्रभु जिनका रूप अमर है.
5	सर्वज्ञ	जो सर्वज्ञ है.
6	सर्वतोमुख	जिनके मुख सभी दिशा में है.
7	सुलभ	प्रभु जिन्हें आसानी से प्राप्त किया जा सकता है.
8	सुव्रत	भगवान जो अच्छी प्रतिज्ञा स्वीकार करते है.
9	सिद्ध	प्रभु जो पूर्ण है.
10	शत्रुजित	हर वक्त दुश्मनों पर विजयी.
11	शत्रुतापन	जो अपने दुश्मनों को पीड़ित करते है.
12	न्यग्रोध	वह दुनिया के सभी प्राणियों से ऊपर है.
13	उदुम्बर	सभी जीवित प्राणियों के पोषक.
14	अश्वत्थ	अभेद्य वृक्ष.
15	चाणूरान्ध्रनिषूदन	चानुरा दानव का वध करनेवाले.
16	सहस्रार्चि	हजारों किरण जो इस ब्रह्मांड को रोशन करती है.
17	सप्तजिह्व	जो खुद को आग की सात जीभ के रूप में व्यक्त करते है.
18	सप्तैधा	भगवान जिनकी सात लपटें हैं.
19	सप्तवाहन	जिनके पास सात घोड़ों का वाहन है.
20	अमूर्ति	वह प्रभु जिनका कोई आकार नहीं है.
21	दुरारिहा	राक्षसों के विनाशक.
22	शुभाङ्ग	मोहक अंगों वाले प्रभु.
23	लोकसारङ्ग	प्रभु जो दुनिया के सार को समझते है.
24	सुतन्तु	ब्रह्मांड को खुद से शुरू करनेवाले प्रभु.
25	तन्तुवर्धन	प्रभु जो दुनिया को बढ़ाते है.
26	इन्द्रकर्मा	जो अपने गौरवशाली कार्यों में इंद्र जैसे दिखते है.
27	महाकर्मा	प्रभु जो महान कृत्यों को पूरा करते है.
28	कृतकर्मा	प्रभु जिसने अपने कृत्यों को पूरा किया है.
29	कृतागम	-

www.likehindi.com

30	उद्भव	प्रभु जो महान जन्म प्राप्त करते है.
31	सुन्दर	प्रभु जो सुंदरता के प्रतीक है.
32	सुन्द	महान दया के स्वामी.
33	रत्ननाभ	जिनके पास एक सुंदर नाभि है.
34	सुलोचन	जिनके पास सबसे आकर्षक आंखें हैं.
35	अर्क	जिन्हें सभी महान देवता पुजते है.
36	वाजसन	भोजन के दाता.
37	शृङ्गी	-
38	जयन्त	सभी दुश्मनों के विजेता.
39	सर्वविज्जयी	सर्वशक्तिमान और सबको जीतनेवाले.
40	सुवर्णबिन्दु	जो सुनहरे रंग के सुंदर अंगों के साथ एक सुंदर रूप है.
41	अक्षोभ्य	जो कभी किसी के द्वारा अतिरंजित नहीं हो सकते.
42	सर्ववागीश्वरेश्वर	बोलने वाले देवताओं के बीच प्रमुख.
43	महाह्रद	जिनका दिल खुशी के शाश्वत पानी से भरा है.
44	महागर्त	-
45	महाभूत	जो महान पुरुषों को अपने रूप में मानते है.
46	महानिधि	वह प्रभु जिसमें सभी धन बचाया जाता है.
47	कुमुद	जो पृथ्वी को खुश रखता है.
48	कुन्दर	जो अच्छे कर्मों के परिणामों को पहचानते हैं.
49	कुन्द	कुंदा (चमेली) फूलों की तरह आकर्षक है.
50	पर्जन्य	प्रभु जो वर्षा वाले बादलों के समान हैं.
51	विश्वम्	जो खुद ब्रह्मांड है.
52	विष्णु	महाविष्णु
53	वषट्कार	यज्ञ से अवाहन किये जाने वाले.
54	भूतभव्यभवत्प्रभुः	जो वर्तमान,भूतकाल, भविष्यकाल है.
55	भूतकृत	सबके निर्माता.
56	भूतभृत	सबके पालनहार.
57	भाव	पूर्ण अस्तित्व
58	भूतात्मा	ब्रह्मांड की हर चीज की आत्मा.
59	भूतभावन	ब्रह्मांड की हर चीज में बसनेवाले.

www.likehindi.com

60	पूतात्मा	अत्यंत शुद्ध सार के साथ भगवान
61	परमात्मा	परमात्मा हरी.
62	मुक्तानां परमागतिः	मुक्त की अंतिम सीमा
63	अव्ययः	प्रभु जो हमेशा समान है
64	पुरुषः	जो हर शरीर में बसते है.
65	साक्षी	वह प्रभु जो हर चीज का गवाह है
66	क्षेत्रज्ञः	चराचर के जानकार.
67	अक्षर	जिनकी महानता कभी कम नहीं होती है
68	योगः	जिनको योग के मध्यम से जाना जा सकता है.
69	योगविदां नेता	योगियों के स्वामी.
70	प्रधानपुरुषेश्वर	प्रकृति और प्राणियों के स्वामी.
71	नारसिंहवपुः	नरसिहं अवतार
72	श्रीमान्	जो हमेशा लक्ष्मी के साथ है.
73	केशव	जिनके बाल सुंदर है.
74	पुरुषोत्तम	सबके नियंत्रक.
75	सर्व	प्रभु जो सब कुछ है
76	शर्व	सब पापो के विनाशक
77	शिव	प्रभु जो अनन्त रूप से शुद्ध है
78	स्थाणु	अचल
79	भूतादि	जिनसे सभी प्राणियों का विकास हुआ.
80	निधिरव्यय	अविभाज्य खजाना
81	महेष्वास	-
82	महीभर्ता	पृथ्वी के समर्थक.
83	श्रीनिवास	जिनके पास लक्ष्मी हमेशा रहती है.
84	सतांगति	सभी पुण्य लोगों के लिए लक्ष्य.
85	अनिरुद्ध	प्रभु जो बाधित नहीं हो सकते.
86	सुरानन्द	प्रभु जो खुशी देता है
87	गोविन्द	गाय के रखवाले.
88	गोविदांपति	वेदों को जानने वालों के संरक्षक.
89	मरीचि	प्रकाश की किरण.
90	दमन	जो सही रास्ते में निर्देशित करता है.
91	हंस	भय के विनाशक.

92	सुपर्ण	प्रभु जिसके पास सुंदर पंख हैं
93	भुजगोत्तम	सर्पो के स्वामी.
94	हिरण्यनाभ	सुनहरी नाभि वाले भगवान.
95	सुतपा	सबसे अधिक तपस्या करनवाले.
96	पद्मनाभ	जिनकी नाभि में कमल है.
97	प्रजापति	प्रभु जो लोक प्रमुख आहे.
98	अमृत्यु	जिनकी कभी मृतु नहीं हो सकती.
99	सर्वदृक्	सबकुछ देख सकते है.
100	सिंह	पाप नष्ट करनेवाले.
101	सन्धाता	-
102	सन्धिमान्	भक्तो को एक करनेवाले.
103	स्थिर	प्रभु जो निरंतर है.
104	अज	प्रभु जो अज, ब्रह्मा का रूप लेता है
105	दुर्मर्षण	प्रभु जो पराजित नहीं हो सकते.
106	शास्ता	दुनियापर शाशन करनेवाले.
107	विश्रुतात्मा	वेदों की आत्मा.
108	सुरारिहा	देवो के शत्रुओं का विनाश करनेवाले.
109	गुरु	ज्ञान के निर्माता.
110	गुरुतम	गुरुओं के गुरु.
111	धाम	सभी वांछित चीजों का निवास स्थान.
112	सत्य	जी खुद सत्य है.
113	सत्यपराक्रम	प्रभु जो एक सच्चा बहादुर है.
114	निमिष	जिन्होंने चिंतन में आँखें बंद कर ली हैं.
115	अनिमिष	-
116	स्रग्वी	जो फुल माला के साथ सजे है.
117	वाचस्पतिउदारधी	वाणी भाषण और महान विचार के भगवान.
118	अग्रणी	जो हमारी अंततक अगवाई करता है.
119	ग्रामणी	वह प्रभु जो झुंड का नेतृत्व करता है.
120	श्रीमान्	महालक्ष्मी के पती.
121	न्याय	वह प्रभु जो न्याय है.
122	नेता	प्रभु जो दुनिया का नेता है.
123	समीरण	-
124	सहस्रमूर्धा	प्रभु जिसके पास अनगिनत सिर हैं.
125	विश्वात्मा	ब्रह्मांड की आत्मा

126	सहस्राक्ष	प्रभु जिनके पास हजारों आंखें हैं.
127	सहस्रपात्	प्रभु जिनके पास हजारों पैर हैं.
128	आवर्तन	जो संसार का पहिया चलते है.
129	निवृत्तात्मा	वह जिसका मन सांसारिक इच्छाओं से दूर हो गया है.
130	संवृत	वह जो छिपा रहता है.
131	अनर्थ	-
132	महाकोश	सबसे बड़े खजाने के मालिक.
133	महाभोग	जो महान आनंद की वस्तु है.
134	महाधन	बहुत बढ़िया धन.
135	अनिर्विण्ण	भगवान जो कोई असंतोष नहीं है.
136	स्थविष्ठ	जो बहुत अधिक है.
137	अभू	वह प्रभु जिनके पास कोई जन्म नहीं है.
138	धर्मयूप	वह जो धर्म के साथ एकजुट है.
139	महामख	महान यज्ञ स्वरुपी.
140	नक्षत्रनेमि	जो सितारों की नीव है.
141	नक्षत्री	जो सितारों के प्रमुख हैं.
142	क्षम	वह जो सक्षम है.
143	क्षाम	जो जल प्रलय के बाद अकेले रहते है.
144	समीहन	भगवान जिनकी इच्छा शुभ हो.
145	यज्ञ	जो बलिदान के व्यक्तित्व है.
146	ईज्य	प्रभु जो यज्ञ के माध्यम से जागृत होते है.
147	महेज्य	जिनकी यज्ञ द्वारा सबसे अधिक पूजा की जा रही है.
148	क्रतु	-
149	सत्रं	जिनकी सत्राम नामक बलिदान से पूजा की जाती है.
150	सतांगति	उन लोगों का अंतिम लक्ष्य जो मोक्ष की तलाश में हैं.
151	सर्वदर्शी	सब जाननेवाले.
152	विमुक्तात्मा	वह आत्मा जिसे कोई बंधन नहीं.
153	सर्वज्ञ	प्रभु जो सर्वज्ञ है.
154	ज्ञानमुत्तमम्	सर्वोच्च ज्ञानी.
155	सुव्रत	-

www.likehindi.com

156	सुमुख	सुंदर चेहरा.
157	सूक्ष्म	सूक्ष्म, नाजुक और समझने में मुश्किल.
158	सुघोष	शुभ ध्वनि के स्वामी.
159	सुखद	सुख देनेवाले भगवान.
160	सुहृत्	सभी प्राणियों के मित्र और शुभचिंतक.
161	मनोहर	जो मन को आकर्षित करते है.
162	जितक्रोध	क्रोध पर विजय प्राप्त करनेवाले.
163	वीरबाहु	शक्तिशाली हाथ वाले.
164	विदारण	भक्तों के पापों को काटनेवाले.
165	स्वापन	नींद दनेवाले.
166	स्ववश	सबपर नियंत्रण वाले.
167	व्यापी	हर जगह अस्तित्व.
168	नैकात्मा	आवश्यकता के आधार पर विभिन्न रूप धरनेवाले.
169	नैककर्मकृत्	विविध कार्य करनेवाले.
170	वत्सर	जिनके अन्दर सब कुछ रहता है.
171	वत्सल	जो अपने भक्तों से प्यार करता है.
172	वत्सी	जो लोगों के संरक्षक है.
173	रत्नगर्भ	भगवान जो महासागर और अपने भीतर मोती रखते है.
174	धनेश्वर	धन के भगवान.
175	धर्मगुप	धर्म का संरक्षक.
176	धर्मकृत्	जो धर्म के अनुसार कार्य करते है.
177	धर्मी	धर्म का आधार.
178	सत्	परम स्थायी सत्य.
179	असत्	प्रभु जो परम सत्य है और भ्रम से छिपे हुए है.
180	क्षरम्	-
181	चन्द्रांशु	वह प्रभु जो चंद्रमा की किरण के रूप में सुखद है.
182	भास्करद्युति	जो सूरज के निर्माता है.
183	अमृतांशूद्भव	-
184	भानु	तेजस्वी भगवान
185	शशबिन्दु	-

www.likehindi.com

186	सुरेश्वर	देवताओ के भगवान
187	औषधं	जो पवित्र औषधि की तरह है.
188	जगतसेतु	प्रभु जो भौतिक ऊर्जा में एक पुल है.
189	सत्यधर्मपराक्रमः	सत्य और धर्म के रक्षक.
190	भूतभव्यभवन्नाथ	तीत, वर्तमान और भविष्य के स्वामी.
191	पवन	जो विश्व की प्राणवायु है.
192	पावन	जो वायुमंडलीय हवा को जीवन को बनाए रखने की शक्ति देता है.
193	अनल	जो अग्नि के रूप मेंजीवन को बनाए रखते है.
194	कामहा	प्रभु जो सभी इच्छाओं को नष्ट कर देते है.
195	कामकृत्	प्रभु जो सभी इच्छाओं को पूरा करते है.
196	कान्त	जिनका रूप मोहक है.
197	काम	ईश्वर जो साधकों द्वारा बहुत वांछित है.
198	कामप्रद	वह प्रभु जो वांछित वस्तु देते है.
199	प्रभु	श्रेष्ट भगवान.
200	युगादिकृत	प्रभु जिसने समय के विभाजन बनाए.
201	युगावर्त	जो समय को बनाते है.
202	नैकमाय	जो महामाया का निर्माण करते है.
203	महाशन	प्रभु जो सब कुछ निगल सकते है.
204	अदृश्य	ना दिखनेवाले भगवान.
205	व्यक्तरूप	प्रभु जो योगी के लिए दृश्यमान है.
206	सहस्रजित्	प्रभु जो हजारों को जीतते है।
207	अनन्तजित्	विजेताओं के विजेता.
208	इष्ट	सबके प्रिय प्रभु.
209	विशिष्ट	सबसे अनोखे और पवित्र है.
210	शिष्टेष्ट	-
211	शिखण्डी	प्रभु जो मोर के पंख पहनते है.
212	नहुष	-
213	वृष	बारिश की तरह सभी इच्छाओं को करनेवाले.
214	क्रोधहा	साधकों में क्रोध को नष्ट करनेवाले.
215	क्रोधकृत्कर्ता	प्रभु जो निचले प्रवृत्ति के खिलाफ गुस्से पैदा करनवाले.

www.likehindi.com

216	विश्वबाहु	प्रभु जो पूरे ब्रह्मांड में हाथ रखते है.
217	महीधर	धरती के आधार.
218	अच्युत	कभी नहीं बदलते.
219	प्रथित	प्रभु जो सभी को समझते है.
220	प्राण	चराचर की आत्मा.
221	प्राणद	हर जगह ताकत देनवाले.
222	वासवानुज	इंद्र के बड़े भाई.
223	अपांनिधि	जो महासागर है.
224	अधिष्ठानम	ब्रह्मांड की बुनियाद.
225	अप्रमत्त	कभी निर्णय में कोई गलती नहीं करनेवाले.
226	प्रतिष्ठित	स्वयं स्थापित प्रभू.
227	स्कन्द	जिनकी महिमा सुब्रह्मण्य के माध्यम से व्यक्त की जाती है.
228	स्कन्दधर	धर्म का मार्ग स्थापित करनवाले.
229	धुर्य	ब्रह्मांड का भार उठानेवाले.
230	वरद	प्रभु जो वरदान देते है.
231	स्तोत्रं	अंतिम मंत्र.
232	स्तुति	प्रशंसा का कार्य.
233	स्तोता	प्रभु जिनको प्यार करते है.
234	रणप्रिय	प्रभु जो लड़ाइयों के प्रेमी है.
235	पूर्ण	प्रभु जो पूर्ण है.
236	पूरयिता	जो अपने भक्तों की इच्छाओं को पूरा करते है.
237	पुण्य	वास्तव में पवित्र.
238	पुण्यकीर्ति	पवित्र प्रसिद्धि के स्वामी.
239	अनामय	जो कभी बीमार नहीं होते.
240	मनोजव	प्रभु जो मन जैसे तेज है.
241	तीर्थकर	दुनिया में सभी प्राणियों के उद्धार के लिए तरीके बनानेवाले.
242	वसुरेता	प्रभु जिनका सार सुनहरा है.
243	वसुप्रद	शुभ धन दनेवाले.
244	वसुप्रद	भक्तों को मोक्ष के लिए नेतृत्व करनेवाले.
245	वासुदेव	जो वासुदेव के पुत्र के रूप में पैदा हुए थे.
246	वसु	सभी प्राणियों के लिए शरण.

www.likehindi.com

247	वसुमना	महान मन के स्वामी.
248	हवि	जो यज्ञ में बलिदान की पेशकश है.
249	सद्गति	जो अच्छे लोगों द्वारा प्राप्त किये जाते है.
250	सत्कृति	भगवान जो अच्छे कार्यों से भरे है.
251	सत्ता	भगवान जो गैर-भिन्न ज्ञान का व्यक्तित्व है.
252	सद्भूति	जो निर्विवाद है.
253	सत्परायण	अच्छे का सर्वोच्च लक्ष्य.
254	शूरसेन	जो खुद एक वीर और बहादुर सेना हैं.
255	यदुश्रेष्ठ	यदि वंश में महान.
256	सन्निवास	एक अंतिम स्थान है जहां विद्वान जाते हैं.
257	सुयामुन	जो प्रलय के समय लोगों को बचाता है.
258	भूतावास	जीमे सभी तत्व निवास करते है.
259	वासुदेव	प्रभु जो भ्रम द्वारा ब्रह्मांड को ढंकते है.
260	सर्वासुनिलय	प्रभु जो सभी जीवित प्राणियों के आश्रय है.
261	अनल	असीमित धन, शक्ति और महिमा के भगवान.
262	दर्पहा	दुष्ट दिमाग वाले लोगों में गर्व के विनाशक.
263	दर्पद	उन लोगों का अभिमान जो धर्म के मार्ग पर है.
264	दृप्त	ताकत पर गर्व नहीं करनवाले.
265	दुर्धर	प्रभु जो कठिनाई के समय दिमाग में आते है.
266	अपराजित	असाधारण पराक्रमी.
267	विश्वमूर्ति	विश्वरूप.
268	महामूर्ति	प्रभु जो रूप में विशाल है.
269	दीप्तमूर्ति	प्रबल तेजस्वी ईश्वर.
270	अमूर्तिमान्	प्रभु जो निर्दोष है.
271	अनेकमूर्ति	अनेक स्वरूप वाले.
272	अव्यक्त	प्रभु जो अप्रत्याशित है.
273	शतमूर्ति	विविध स्वरूप आकार वाले भगवान.
274	शतानन	अनेक चेहरे वाले.
275	एक	प्रभु जो एक है.
276	नैक	जो भ्रम द्वारा विभिन्न रूपों में दिखाई देता है.

www.likehindi.com

277	सव	भगवान जो सोमा यज्ञ का व्यक्तित्व है.
278	कः	जिनकी 'का' के रूप में पूजा की जाती है.
279	किं	जिनकी हमेशा प्रशंसा होती है.
280	यत्	जो पहले से मौजूद है.
281	वायुवाहन	हवा को नियंत्रित करनेवाले.
282	वासुदेव	प्रभु जो हर चीज में है.
283	बृहद्भानु	जिनकी व्यापक किरणें हैं जो हर जगह जाती हैं.
284	आदिदेव	सब कुछ का प्राथमिक स्रोत.
285	पुरन्दर	पीड़ा का विनाशक.
286	अशोक	जिनके पास कोई दुख नहीं.
287	तारण	जो समस्य में सक्षम बनाते है.
288	तार	जन्म और मृत्यु के सभी दुखों से बचानेवाले.
289	शूर	प्रभु जो बहादुर है.
290	शौरि	-
291	जनेश्वर	लोगों का स्वामी
292	अनुकूल	सभी के शुभचिंतक.
293	शतावर्त	असीमित रूपोंवाले.
294	पद्मी	जिनके हाथ में कमल है.
295	पद्मनिभेक्षण	जिनकी आँखें कमल के रूप में सुंदर हैं.
296	पद्मनाभ	नाभि में कमलवाले.
297	अरविन्दाक्ष	कमल नयन वाले.
298	पद्मगर्भ	जो कमल में स्थापित है.
299	शरीरभृत्	सभी के शरीर का ध्यान रखनेवाले.
300	महार्दि	महान समृद्धीवाले भगवान.
301	ऋद्ध	खुद को ब्रह्मांड के रूप में विस्तारित करनवाले.
302	वृद्धात्मा	प्राचीन भगवान.
303	महाक्ष	बड़ी और सुंदर आँखों वाले.
304	गरुडध्वज	जिनके झंडे में गरुड़ है.
305	अतुल	प्रभु जो अतुलनीय है.
306	शरभ	-
307	भीम	प्रेरणादायक और विशाल.

308	समयज्ञ	सभी भक्तो को एकसामन देखनेवाले.
309	हविर्हरि	सभी यज्ञ के प्राप्तकर्ता.
310	सर्वलक्षणलक्षण्य	जिन्हें अनुसंधान के सभी तरीकों के माध्यम से जाना जाता है.
311	लक्ष्मीवान्	जो हमेशा महा लक्ष्मी के पक्ष में है.
312	समितिञ्जय	सबको जीतनेवाले.
313	विक्षर	जिनका कभी विनाश नहीं होता.
314	रोहित	मत्स्य अवतार में लाल रंग वाले.
315	मार्ग	जो अनन्त आनंद के लिए मार्ग है.
316	हेतु	इस ब्रह्मांड के सर्वोच्च कारण.
317	दामोदर	जिन्हें माँ योशोदा ने कमर पर रस्सी से बंधा था.
318	सह	धैर्य प्रदान करनेवाले.
319	महीधर	धरती के वाहक.
320	महाभाग	भक्तो के यज्ञ को ग्रहण करनेवाले.
321	वेगवान	सबसे अधिक गतिवाले.
322	अमिताशन	अंतहीन भूख के स्वामी.
323	उद्भव	पूरे ब्रह्मांड के उत्प्रेरक.
324	क्षोभण	-
325	देव	जिन्हें प्रशंसा पसंद है.
326	श्रीगर्भ	जिनके भीतर सभी महिमा है.
327	परमेश्वर	सबसे बड़े भगवान.
328	करणं	जो दुनिया के निर्माण के लिए साधन है.
329	कारणं	जो दुनिया के निर्माण कारण है.
330	कर्ता	जो कर्ता है.
331	शम	शांत भगवान.
332	शान्त	शांतिप्रिय भगवान.
333	निष्ठा	सभी प्राणियों को संभालनेवाले.
334	शान्ति	शांति जिनका स्वभाव है.
335	परायणम्	मुक्ति का रास्ता.
336	शुभाङ्ग	प्रभु जिनके पास सबसे सुंदर रूप है.
337	शान्तिद	शांति कायम करनेवाले.
338	स्रष्टा	सृष्टि रचिता.
339	कुमुद	भक्तों को आनंद देनेवाले.

www.likehindi.com

340	कुवलेशय	जो पृथ्वी पर पानी में है.
341	गोहित	प्रभु जो गाय(cow) का कल्याण करते है.
342	गोपति	पृथ्वी के स्वामी.
343	गोप्ता	ब्रह्मांड के संरक्षक.
344	वृषभाक्ष	-
345	वृषप्रिय	जो धर्म में प्रसन्न होते है.
346	अनिवर्ती	प्रभु जो कभी पीछे हटते नहीं हैं.
347	निवृत्तात्मा	सभी भावनाओं को नियंत्रित करनेवाले.
348	संक्षेप्ता	-
349	क्षेमकृत्	जो अपने भक्तों के लिए अच्छा करते है.
350	शिव	प्रभु जो अनन्त रूप से शुद्ध है.
351	श्रीवत्सवक्षा	जिनके सीने पर लक्ष्मी निवास करती है.
352	श्रीवास	वह प्रभु जिनमें देवी लक्ष्मी रहती है.
353	श्रीपति	लक्ष्मी के पति.
354	श्रीमतां वर	शानदार के बीच सबसे अच्छे.
355	श्रीद	समृद्धि के दाता.
356	श्रीश	भाग्य के भगवान.
357	श्रीनिवास	जिनके लोक में लक्ष्मी निवास करती है.
358	श्रीनिधि	शुभ का खजाना.
359	श्रीविभावन	धन बाटने वाला.
360	श्रीधर	शुभ के वाहक.
361	श्रीकर	भक्तो को संपत्ति दनेवाले.
362	श्रेय	हमेशा बारहमासी खुशी देनेवाले.
363	श्रीमान्	लक्ष्मी के अधिपति.
364	लोकत्रयाश्रय	तीनो लोकों के स्वामी.
365	स्वक्ष	सुंदर आंखों वाले भगवान.
366	स्वङ्ग	सुंदर अंग वाले भगवान.
367	शतानन्द	अनंत खुशियों के स्वामी.
368	नन्दि	खुशियों का अस्तित्व.
369	ज्योतिर्गणेश्वर	ब्रह्मांड में दिग्गजों के स्वामी.
370	विजितात्मा	भावना अंगों पर विजय प्राप्त करनेवाले.
371	अविधेयात्मा	जो किसी के नियंत्रण में नहीं है.
372	सत्कीर्ति	जिनके पास सच्ची प्रसिद्धि है.
373	छिन्नसंशय	जो सभी संदेहों को दूर कर चुके है.

www.likehindi.com

374	उदीर्ण	वह प्रभु जो सभी प्राणियों से बड़े है.
375	सर्वतश्चक्षु	प्रभु जो हर जगह सब कुछ देखते है.
376	अनीश	वह जिनके ऊपर कोई भगवान नहीं है.
377	शाश्वतस्थिर	प्रभु जो शाश्वत और स्थिर है.
378	भूशय	वह प्रभु जो जमीन पर आराम करते है.
379	भूषण	दुनिया को सजाने वाले.
380	भूति	भगवान जिनके पास शुद्ध अस्तित्व है.
381	विशोक	प्रभु जो दुःखहीन है.
382	शोकनाशन	भक्तों के दुःख हरनेवाला.
383	अर्चिष्मान	देदीप्यमान, चमकीले भगवान.
384	अर्चित	सदियों से भक्तो द्वरा पूजा जानेवाला.
385	कुम्भ	वह बर्तन जिसमें सब कुछ निहित है.
386	विशुद्धात्मा	जिनकी आत्मा शुद्ध है.
387	विशोधन	भक्तों को शुद्ध करनेवाले.
388	अनिरुद्ध	जो अपने विरोधियों को नहीं दिखकते.
389	अप्रतिरथ	जिनको किसी शत्रु का डर नहीं है.
390	प्रद्युम्न	प्रभु जो महान धन है.
391	अमितविक्रम	प्रभु जो अतुलनीय पराक्रमी है.
392	कालनेमिनिहा	कालनेमी का बध करनेवाले.
393	वीर	वीरतापूर्ण.
394	शौरि	जो महान सूर्यवंशी है.
395	शूरजनेश्वर	बहादुर का स्वामी.
396	त्रिलोकात्मा	तीनो लोकों की आत्मा.
397	त्रिलोकेश	तीनो लोकों के अधिपति.
398	केशव	जिनकी किरणें ब्रह्मांड को रोशन करती है.
399	केशिहा	राक्षस केसी वध करनेवाले.
400	हरि	जन्म के चक्र से मुक्ति दिलानेवाले.
401	कामदेव	जो अपने भक्तों से जुनून से प्यार करते है.
402	कामपाल	वह प्रभु जो इच्छाओं का ध्यान रखते है.
403	कामी	इच्छाओं को पूरा करनेवाले.
404	कान्त	तेजस्वी रूप के स्वामी.
405	कृतागम	अगामा शास्त्रों के लेखक.
406	अनिर्देश्यवपु	जिनके रूपों को परिभाषित नहीं किया जा सकता.

www.likehindi.com

407	विष्णु	व्यापक प्रभु.
408	वीर	साहसिक ईश्वर.
409	अनन्त	अंतहीन ईश्वर.
410	धनंजय	विजय के माध्यम से धन प्राप्त करनेवाले.
411	ब्रह्मण्य	ब्राह्मण के संरक्षक.
412	ब्रह्मकृत	प्रभु जो ब्राह्मण में कार्य करते है.
413	ब्रह्मा	प्रजापति
414	ब्रह्म	प्रभु जो ब्राह्मण है.
415	ब्रह्मविवर्धन	ब्रह्मा विद्या के प्रचारक.
416	ब्रह्मवित	जो ब्रह्मा विद्या जानते है.
417	ब्राह्मण	ब्राह्मणों के रूप में वेदों को सिखानेवाले है.
418	ब्रह्मी	जिन्हें ब्रह्मा द्वारा दर्शाया गया है.
419	ब्रह्मज्ञ	प्रभु जो वेदों को खुद के रूप में जानते है.
420	ब्राह्मणप्रिय	जो ब्रह्मणों को प्रिय है.
421	महाक्रम	प्रभु जो बड़े कदम उठाते हैं.
422	महाकर्मा	प्रभु जो महान काम करते है.
423	महातेजा	महान प्रतिपक्षता के स्वामी.
424	महोरग	भगवान जो महान सर्प का रूप है.
425	महाक्रतु	महान बलिदान देनेवाले.
426	महायज्वा	वह जो महान बलिदान करते है.
427	महायज्ञ	महान यज्ञ.
428	महाहवि	सर्वोच्च बलिदान के साथ पूजा किये जानेवाले.
429	स्तव्य	जो प्रशंसा के योग्य है.
430	स्तवप्रिय	प्रभु जो पसंद किया जा रहे है.
431	रवि	सूरज उनकी प्रतिभा के साथ है.
432	विरोचन	जो विभिन्न रूपों में चमकते है.
433	सूर्य	एक स्रोत जहाँ से सब कुछ पैदा होता है.
434	सविता	वह जो सूर्य के रूप में जीवन का उत्पादन करते है.
435	रविलोचन	जिनकी आंखे सूर्य की तरह है.
436	अनन्त	जो अंतहीन है.
437	हुतभुक	जो चढ़ावा स्वीकार करते है.
438	भोक्ता	वह जो प्रकृति के उपभोक्ता है.

www.likehindi.com

439	सुखद	उन लोगों के लिए आनंद के दाता जो मुक्त हैं.
440	नैकज	जो कई बार पैदा हुए है.
441	अग्रज	जो सबसे पहले पैदा हुए है.
442	अनिर्विण्ण	जो कभी निराश नहीं करते.
443	सदामर्षी	भक्तों की गलतियों को क्षमा करनेवाले.
444	लोकाधिष्ठानाम्	जो दुनिया का आधार है.
445	अद्भूत	वह जो आश्चर्य है.
446	सनात्	प्रभु जो शुरुआती और अंतहीन कारक है.
447	सनातनतम	जो सबसे प्राचीन है.
448	कपिल	ऋषि कपिला.
449	कपि	वह जो सूरज है.
450	अव्ययः	जिनमे जलप्रलय में सब समां जाते है.
451	स्वस्तिद	जो भक्तों को सबकुछ देते है.
452	स्वस्तिकृत्	जो सबकुछ अच्छा करते है.
453	स्वस्ति	प्रभु जो सभी शुभकामनाओं के स्रोत है.
454	स्वस्तिभुक	प्रभु जो लगातार शुभकामनाएं का आनंद लेते है.
455	स्वस्तिदक्षिण	जो अपने भक्तों को दक्षिणी के रूप में शुभ कामना देते है.
456	अरौद्र	वह प्रभु जो कभी क्रूर नहीं होते.
457	कुण्डली	जो कानो में सुंदर कुंडल पहनते है.
458	चक्री	चक्र के स्वामी.
459	विक्रमी	सबसे धैर्यशील.
460	उर्जितशासन	प्रभु जो दृढ़ आदेश देते है.
461	शब्दातिग	प्रभु जो सभी शब्दों को पार करते है.
462	शब्दसह	जो खुद को वैदिक घोषणाओं से आमंत्रित करने की अनुमति देते है.
463	शिशिर	प्रभु जो सर्दियों की तरह ठंडा है.
464	शर्वरीकर	अंधेरे के निर्माता.
465	अक्रूर	प्रभु जो क्रूर नहीं है.
466	पेशल	प्रभु जो सबसे कोमल है.
467	दक्ष	प्रभु जो चालाक है.
468	दक्षिण	सबसे उदार.

www.likehindi.com

469	क्षमिणां वर	जो क्षमाशील शक्तियों दाता है.
470	विद्वत्तम	प्रभु जो सबसे बड़े ज्ञानी है.
471	वीतभय	भगवान को कोई डर नहीं है.
472	पुण्यश्रवणकीर्तन	जो उनके बारे में गाते हैं उन लोगों को बढ़ता है.
473	उत्तारण	प्रभु जो हमें परिवर्तन के महासागर से बाहर निकालते है.
474	दुष्कृतिहा	बुरे कार्यों के विनाशक.
475	पुण्य	शुद्ध और पुण्यवान भगवान.
476	दुःस्वप्ननाशन	प्रभु जो सभी बुरे सपनों को नष्ट कर देते है.
477	वीरहा	दृष्टों के विनाशक.
478	रक्षण	विश्वरक्षक.
479	सन्त	जो संत पुरुषों के माध्यम से व्यक्त किए गए हैं.
480	जीवन	सभीको जीवन देनेवाले.
481	विकर्ता	अंनत तरीको स दुनिया बनानेवाले.
482	गहन	जिनका आकार, ताकत और कार्यों को जानना मुश्किल है.
483	गुह	प्रभु जो दिल की गुफा में रहते है.
484	व्यवसाय	जो दृढ़ है.
485	व्यवस्थान	जो सबका आश्रय है.
486	संस्थान	जो अंतिम प्राधिकार है.
487	स्थानद	प्रत्येक जीवित जीव को सही निवास देनेवाले.
488	ध्रुव	अविनाशी भगवान.
489	परर्द्धि	जिनके पास सर्वोच्च अभिव्यक्तियां हैं.
490	परमस्पष्ट	वह जिनकी महानता स्पष्ट है.
491	तुष्ट	संतुष्ट भगवान.
492	पुष्ट	जो महान गुणों से पूर्ण है.
493	शुभेक्षण	जिनकी नजर भक्तो को सुशोभित करती है.
494	राम	जो आनंदमय रूप है.
495	विराम	हर चीज के अंतिम अंत है.
496	विरज	प्रभु जो जुनूनहीन है.
497	मार्ग	जो अमरत्व का मार्ग है.

www.likehindi.com

498	नेय	जीवित प्राणियोंके मार्गदर्शक.
499	नय	हर किसी को खुद की ओर आकर्षित करनेवाले.
500	अनय	जिनपर को राज नहीं कर सकता.
501	वीर	वीरता के प्रमाण.
502	शक्तिमतां श्रेष्ठ	बलवानो में सर्वश्रेष्ठ.
503	धर्म	धर्म की शुरुवात करनेवाले.
504	धर्मविदुत्तम	हमेशा धर्म के प्रति सचेत.
505	वैकुण्ठ	जो गलत राह से बचाता है.
506	पुरुष	जो सभी निकायों में रहते है.
507	प्राण	प्रभु जो आत्मा है.
508	प्राणद	जीवन देनेवाले.
509	प्रणव	देवताओं द्वारा प्रशंसा मिलनेवाले.
510	पृथु	अपार, असीमित
511	हिरण्यगर्भ	सभी रचनाओं के लिए सुनहरा स्रोत रखनेवाले.
512	शत्रुघ्न	शत्रुओं के विनाशक.
513	व्याप्त	सभी प्राणियों में कारण के रूप में व्याप्त प्रभु.
514	वायु	-
515	अधोक्षज	जिनकी जीवन शक्ति कभी नीचे नहीं बहती है.
516	ऋतु	जो सब ऋतू भी है.
517	सुदर्शन	शुभ दृष्टीकोन देनेवाले.
518	काल	जो समय से भी बड़े है.
519	परमेष्ठी	जो अपनी महिमा में केंद्रित है.
520	परिग्रह	सबकुछ प्राप्त करनेवाले.
521	उग्र	भयानक रूप वाले.
522	सम्वत्सर	अपने भक्तों के उत्थान के लिए रहनेवाले.
523	दक्ष	कार्य को जल्दी से पूरा करनेवाले.
524	विश्राम	भक्तो को राहत देनेवाले.
525	विश्वदक्षिण	कुशल और कुशल भगवान.
526	विस्तार	प्रभु जो पूरी दुनिया को उसके अंदर व्यापक बनाते है.
527	स्थावरस्थाणु	धर्म स्थापित करने के बाद शांत है.

www.likehindi.com

528	प्रमाणम्	ज्ञान का व्यक्तित्व.
529	बीजमव्ययम्	अपरिवर्तनीय बीज प्रभु.
530	अर्थ	जिनकी सभी के द्वारा पूजा की जाती है
531	अनघ	जो पापहीन है.
532	अचिन्त्य	अकल्पनीय भगवान.
533	भयकृत	जो बुरे लोगों में डर पैदा करते हैं.
534	भयनाशन	जो अच्छे लोगों में डर को नष्ट कर देता है
535	अणु	प्रभु जो सूक्ष्म और है.
536	बृहत	जो बेहद विशाल है.
537	कृश	प्रभु जो पतले है.
538	स्थूल	प्रभु जो मोटे है.
539	गुणभृत	गुणों के वाहक.
540	निर्गुण	भगवान जिनके पास कोई गुण नहीं है.
541	महान्	महाशक्तिशाली.
542	अधृत	प्रभु जिनका भार किसी चीज से नहीं ले जा सकते.
543	स्वधृत	प्रभु जो खुद का भार ले जाते है.
544	स्वास्य	भगवान जो एक सुंदर चेहरा है.
545	प्राग्वंश	प्रभु जो पहले राजवंश से संबंधित है.
546	वंशवर्धन	जो राजवंश बढ़ते हैं.
547	भारभृत्	जो ब्रह्मांड का भार उठाते है.
548	कथित	जो सभी शास्त्रों में गौरवशाली है.
549	योगी	प्रभु जो योग के माध्यम से महसूस होते है.
550	योगीश	योगियों के स्वामी.
551	सर्वकामद	प्रभु जो सभी इच्छाओं को पूरा करते है.
552	आश्रम	प्रभय सभी जोवों का विश्राम स्थान है.
553	श्रमण	वह प्रभु जो पापियों को दुःख देते है.
554	क्षाम	जलप्रल में सबकुछ नष्ट करनेवाले.
555	सुपर्ण	-
556	वायुवाहन	जिनकी शक्ति से वायु बहता है.
557	धनुर्धर	सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर जो सबकी रक्षा करते है.
558	धनुर्वेद	जो तीरंदाजी के विज्ञान को जानते है.
559	दण्ड	प्रभु जो दुष्टों को दंडित करते है.
560	दमयिता	नियंत्रित और शासन करनेवाले.

www.likehindi.com

561	दम	प्रभु जो शासन करते समय धैर्य देते है.
562	अपराजित	प्रभु जो पराजित नहीं हो सकते.
563	सर्वसह	वह जो सभी को सहन करते है.
564	नियन्ता	प्रभु जो लोगों को नियमों का पालन करते है.
565	अनियम	भगवान जो किसी भी नियम के अधीन नहीं है.
566	अयम	प्रभु जो मौत रहित है.
567	सत्त्ववान्	साहस से भरे प्रभु.
568	सात्त्विक	सात्विक गुणों से पूर्ण.
569	सत्य	जो सच्च है.
570	सत्यधर्मपरायण	जो सत्य और धर्म को समर्पित है.
571	अभिप्राय	वह जो पसंद के उद्देश्य है.
572	प्रियार्ह	जो प्यार जे हकदार है.
573	अर्ह	पूजा के लिए सबसे उपयुक्त.
574	प्रियकृत्	सबके चाहिते.
575	प्रीतिवर्धन	जो भक्त के दिल में खुशी बढ़ाने वाले.
576	विहायसगति	अंतरिक्ष में यात्रा करनेवाले.
577	ज्योति	वैकुण्ठ की ओर जानेवाली चमकदार रौशनी.
578	सुरुचि	जो खूबसूरती से चमकते है.
579	हुतभुक	यज्ञ में समर्पित चीजो को ग्रहण करनेवाले.
580	विभु	सभी स्तरीय प्रभु.
581	महर्षि कपिलाचार्य	भगवान जो महान ऋषि कपिला के रूप में अवतारित.
582	कृतज्ञ	दुनिया को समझनेवाले.
583	मेदिनीपति	धरती के महा रक्षक.
584	त्रिपद	प्रभु जिन्होंने तीन कदम उठाए हैं.
585	त्रिदशाध्यक्ष	जागृति, नींद और सपना यह तीन चतेना के स्वामी.
586	महाशृङ्ग	वराह अवतार में सिंग धारण करनेवाले.
587	कृतान्तकृत्	वह जो खुद मौत को मारते है.
588	महावराह	महान वराह (सूअर) अवतार.
589	गोविन्द	कृष्ण अवतार में गाय चराने वाले.
590	सुषेण	-

591	कनकाङ्गदी	जिनके पास सुनहरा बाजूबंद है.
592	गुह्य	रहस्यमय भगवान.
593	गभीर	गहरा रहस्यमय.
594	गहन	जिनकी गहराई को नापा नहीं जा सकता.
595	गुप्त	मन और शब्दों से छिपे हुए भगवान.
596	चक्रगदाधर	प्रभु जो पवित्र पहिया और पवित्र मैस रखते है.
597	वेधा	ब्रह्मांड का निर्माता.
598	स्वाङ्ग	जो साधन का कारण और अस्तित्व का कारण है.
599	अजित	जिसे जीता नहीं जा सकता.
600	कृष्ण	नीले कृष्णा
601	दृढ	प्रभु जिनके चरित्र और क्षमता में कोई बदलाव नहीं होता.
602	संकर्षणोऽच्युत	-
603	वरुण	जो क्षितिज पर है.
604	वारुण	वरुणा के पुत्र
605	वृक्ष	जो पेड़ की तरह दृढ़ और स्थिर है.
606	पुष्कराक्ष	कमल जैसी आंखे.
607	महामना	महान मन के प्रभु
608	भगवान्	जिनके पास छह समृद्धि है.
609	भगहा	जलप्रलय के दौरान धन को नष्ट करनेवाले.
610	आनन्दी	प्रभु जो प्रसन्नता देते है.
611	वनमाली	प्रभु जो वन फूलों की एक माला पहनते है.
612	हलायुध	हल जिनका हथियार है.
613	आदित्य	-
614	ज्योतिरादित्य	सूरज की तरह उज्जवल.
615	सहिष्णु	प्रभु जो शांति से द्वंद्व को सहन करते है.
616	गतिसत्तम	सभी भक्तों के लिए अंतिम शरण.
617	सुधन्वा	जिनके पास एक शानदार धनुष है.
618	खण्डपरशु	जिनके पास हथियार के रूप में कुल्हाड़ी है.
619	दारुण	बुरे लोगो के लिए निर्दय.
620	द्रविणप्रद	वह प्रभु जो भोलेपन से धन देते है.
621	दिवःस्पृक्	प्रभु जो आकाश को छूते है.

www.likehindi.com

622	सर्वदृग्व्यास	प्रभु जो सभी ज्ञान के बारे में लिखते है.
623	वाचस्पतिरयोनिज	विद्या के अजन्मे भगवान.
624	त्रिसामा	-
625	सामग	सामा भजन के गायक.
626	साम	सामा वेद के भगवान.
627	निर्वाणं	त्याग का आनंद.
628	भेषजं	वह प्रभु जो हर दुःख की दवा है.
629	भिषक्	प्रभु जो चिकित्सक है.
630	संन्यासकृत	संन्यासीयों के गुरु.
631	पर्यवस्थित	प्रभु जो हर जगह रहते है.
632	अनन्तरूप	जिनके बहुत सारे रूप है.
633	अनन्तश्री	अनंत महिमा से भरे प्रभु.
634	जितमन्यु	क्रोध को जीतनेवाले.
635	भयापह	डर को नष्ट करनेवाले.
636	चतुरश्र	-
637	गभीरात्म	गहरी और गहन प्रकृति के स्वामी
638	विदिश	वह प्रभु जो भक्तों को देने में अद्वितीय है.
639	व्यादिश	आज्ञा शक्ति में अद्वितीय.
640	दिश	जो सलाह और ज्ञान देते है.
641	अनादि	भगवान जिनकी कोई शुरुआत नहीं है.
642	भुवोभुव	जो किसी अन्य समर्थन के बिना खुद में मौजूद है.
643	लक्ष्मी	प्रभु जो सभी धन का निवास स्थान है.
644	सुवीर	जो महान और दिव्य महिमा के साथ चलते है.
645	रुचिराङ्गद	जिनके कंधे पर प्रबल कवच है.
646	जनन	जो सभी जीवित प्राणियों को बचाते है.
647	जनजन्मादि	सभी प्राणियों के जन्म का कारण.
648	भीम	विशाल और निडर भगवान.
649	भीमपराक्रम	जो अपने परक्रम स दुश्मनों में भय निर्माण करते है.
650	आधारनिलय	जो धरती के मुलभुत निर्वाहक है.
651	धाता	जिनके ऊपर कोई अधिकारी नहीं.

652	पुष्पहास	जो प्रारंभिक निर्माण के समय एक फूल की तरह खुलते है.
653	प्रजागर	प्रभु जो हमेशा जागते हैं.
654	ऊर्ध्वग	जो सबसे ऊपर है.
655	सद्पथाचार	जो केवल सच्चाई के रास्ते में चलते है.
656	प्राणद	वह प्रभु जो भौतिक शरीर को जीवन देते है.
657	प्रणव	भगवान जो ओमकारा है जो सर्वोच्च सत्य को दर्शाते है.
658	पण	ब्रह्मांड के व्यवस्थापक.
659	प्रमाणम्	प्रभु जो सभी शास्त्रों के आधार है.
660	प्राणनिलय	जिनमें सभी जीवन मौजूद हैं.
661	प्राणभृत्	जीवन की सभी गतिविधियों को नियंत्रित करनेवाले.
662	प्राणजीवन	जो जीवित प्राणियों को जीवन की सांस देते है.
663	तत्त्वं	जो एकमात्र सत्य है.
664	तत्त्ववित्	भगवान जो सर्वोच्च सत्य के ज्ञान के रूप में प्रकट होते हैं.
665	एकात्मा	प्रभु जो एक और केवल एक आत्मा है.
666	जन्ममृत्युजरातिग	वह भगवान जिसके पास कोई जन्म और मौत नहीं है और समय से प्रभावित नहीं है.
667	भूर्भुव:स्वस्तरु	प्रभु जो जीवन के पेड़ को पोषण देते है.
668	तार	जीवन के महासागर में पहुंचने में मदद करते है.
669	सविता	ब्रह्मांड के पिता.
670	प्रपितामह	प्रभु जो ब्रह्मांड के महान पुराने पिता हैं.
671	यज्ञ	ईमानदार और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व.
672	यज्ञपति	सभी यज्ञों का स्वामी.
673	यज्वा	प्रभु जो यज्ञ करते है.
674	यज्ञाङ्ग	भगवान जिनके अंग यज्ञ में कार्यरत चीजें हैं.
675	यज्ञवाहन	प्रभु जो यज्ञ को पूरा करते हैं।
676	यज्ञभृत्	प्रभु जो यज्ञ को स्वीकार करते है.
677	यज्ञकृत्	प्रभु ने यज्ञ बनाया.

www.likehindi.com

678	यज्ञी	यज्ञ का आनंद.
679	यज्ञभुक	यज्ञ आहुति को स्वीकारनेवाले.
680	यज्ञसाधन	प्रभु जो सभी यज्ञ को पूरा करते है.
681	अक्षर	जिसका अंत नहीं होता.
682	अविज्ञाता	जिसको सबकुछ पता है.
683	सहस्रांशु	प्रभु जो हजार किरणें हैं.
684	विधाता	दुनिया को चलाने वाला.
685	कृतलक्षण	जो अपने गुणों के लिए प्रसिद्ध है.
686	गभस्तिनेमि	सार्वभौमिक पहिया का केंद्रस्थान.
687	सत्त्वस्थ	प्रभु जो सत्त्व में स्थित है.
688	सिंह	प्रभु जो शेर के रूप में शाही है.
689	भूतमहेश्वर	सभी प्राणियों के पहला और अंतिम भगवान.
690	आदिदेव	पहला देवता, भगवान.
691	महादेव	सबसे बड़े भगवान.
692	देवेश	-
693	देवभृद्गुरु	देवताओं के भगवान.
694	उत्तर	प्राणियों को प्राणघातक जीवन के दुखी महासागर से बचाता है.
695	गोपति	-
696	गोप्ता	प्रभु जो संरक्षक है.
697	ज्ञानगम्य	भगवान जो केवल शुद्ध ज्ञान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकते है.
698	पुरातन	पुराने भगवान.
699	शरीरभूतभृत्	जो पंच भूत की आत्मा है और सभी प्राणियों का आधार है.
700	भोक्ता	जो अपने आप में सच्चाई का आनंद लेते है.
701	कपीन्द्र	बंदर, वानरों के भगवान.
702	भूरिदक्षिण	प्रभु यज्ञों का संचालन करते है और लाभ देते है.
703	सोमप	सोमारस को पीनेवाले.
704	अमृतप	अमृत पीनेवाले.
705	सोम	जो प्रभु के रूप में पौधों को बढ़ने में मदद करते है.

www.likehindi.com

706	पुरुजित	दुश्मनों पर विजय प्राप्त करनेवाले.
707	पुरुसत्तम	प्रभु जो कई रूपों में सबसे अच्छे है.
708	विनय	प्रभु जो उन लोगों को अपमानित करते है जो अधर्म हैं.
709	जय	ईश्वर विजेता.
710	सत्यसंध	वह जिनका वादा हमेशा सच है.
711	दाशार्ह	-
712	सात्वतांपति	सतवादस के स्वामी.
713	जीव	जीवन दाता.
714	विनयितासाक्षी	विनम्रता के भगवान.
715	मुकुन्द	मुक्ति के दाता.
716	अमितविक्रम	अतुलनीय शक्ति के स्वामी.
717	अम्भोनिधि	-
718	अनन्तात्मा	अनंत स्व भगवान.
719	महोदधिशय	वह प्रभु जो महान महासागर पर रहते है.
720	अन्तक	जिसमे सबका अंत होता है.
721	अज	वह जो कभी जन्म नहीं लेता है.
722	महार्ह	प्रभु जो उच्चतम पूजा के हकदार है.
723	स्वाभाव्य	प्रभु जो कभी अपने स्वयं की प्रकृति में निहित है.
724	जितामित्र	सभी दुश्मनों पर विजय पाने वाले.
725	प्रमोदन	हमेशा खुश.
726	आनन्द	आनंदमय भगवान.
727	नन्दन	दूसरों को आनंददायक बनानेवाले.
728	नन्द	जो सभी सांसारिक सुख से मुक्त है
729	सत्यधर्मा	जो सच्चा धर्म है
730	त्रिविक्रम	जिन्होंने दुनिया को तीन चरणों में मापा.
731	संप्रमर्दन	बुरी चीजो के विनाशक.
732	अहःसंवर्तक	वह प्रभु जो दिन को सूर्य के रूप में बनाता है.
733	वह्नि	वह प्रभु जो आग के रूप में है
734	अनिल	वह प्रभु जो हवा के रूप में है
735	धरणीधर	भगवान जो पृथ्वी का समर्थन करते है.
736	सुप्रसाद	प्रभु जो दया व्यक्तित्व वाले है.

www.likehindi.com

737	प्रसन्नात्मा	प्रभु जो दया शुद्ध आनंद स्वरूप है.
738	विश्वधृक	ब्रह्मांड का ध्यान रखनेवाले.
739	विश्वभुज	-
740	विभु	अनेक स्वरूप वाले.
741	सत्कर्ता	जो अच्छे और बुद्धिमान लोगों को पसंद करते हैं.
742	सत्कृत	जिन्हे अछे काम करनेवाले लोग पसंद करते है.
743	साधु	धर्म की राह पर चलनेवाले.
744	जह्नुनु	लोगो के स्वामी
745	नारायण	उनकी बनाई हर वस्तु में निवास करनेवाले.
746	नर	मानवता के अधिपति.
747	असंख्येय	जिनके पास संख्य रूप और नाम है.
748	अप्रमेयात्मा	जो ज्ञान के परे है.
749	विशिष्ट	प्रभु जो अपनी महिमा में सभी को पार करते है.
750	शिष्टकृत	नियमो को बनानेवाले.
751	शुचि	प्रभु जो निर्दोष है और बिना दोष के
752	सिद्धार्थ	सभी कार्य को सिद्धि देनेवाले.
753	सिद्धसंकल्प	सभी संकल्पों को साध्य करनेवाले.
754	सिद्धिद	सभी कार्यों को सिद्धि का आशीर्वाद देनेवाले.
755	सिद्धिसाधन	अच्छे कार्यों को सिद्ध होने में मदत करनेवाले.
756	वृषाही	प्रभु जो सभी कार्यों और परिणामों के नियंत्रक है
757	वृषभ	वह जो अपनी कृपा को दर्शाते है.
758	विष्णु	ब्रह्मांड के स्वामी.
759	वृषपर्वा	धर्म का मार्ग दिखानेवाले.
760	वृषोदर	-
761	वर्धन	सबको पालनेवाला.
762	वर्धमान	जो खुद को किसी भी आयाम में बढ़ा सकते हैं.
763	विविक्त	सबसे अलग रचनात्मक.

www.likehindi.com

764	श्रुतिसागर	वह जो समुद्र है जहां सभी वेद हमें पहुचाते हैं.
765	सुभुज	जिनके पास राजसी हथियार है.
766	दुर्धर	जिसे महान योगी द्वारा भी समझा नहीं जा सकता.
767	वाग्मी	प्रभु भाषा में भी है.
768	महेन्द्र	देवताओं के अधिपति.
769	वसुद	अच्छी खुशी और धन देनेवाले.
770	वसु	भगवान को लोग द्वरा माँगा जाता है.
771	नैकरूप	वह प्रभु जो अनंत रूप में है
772	बृहद्रूप	जो प्रभु है, अनंत आयामों में विशाल है.
773	शिपिविष्ट	वह जो किरणों को फैलाते है.
774	प्रकाशन	वह प्रभु जो खुद को सर्वव्यापी चेतना के रूप में प्रकाशित करते है.
775	ओजस्तेजोद्युतिधर	प्रभु जो जीवन और सुन्दरता का मालिक है.
776	प्रकाशात्मा	सबकुछ रोशन करता है.
777	प्रतापन	उर्जा के निर्माता.
778	ऋद्ध	प्रभु जो समृद्धि से भरे है.
779	स्पष्टाक्षर	-
780	मन्त्र	-
781	तत्	जो अपने भक्तों की कीर्ति को बढ़ाते है.
782	पदमनुत्तमम्	सर्वोच्च लक्ष्य.
783	लोकबन्धु	ब्रह्मांड के परिजन.
784	लोकनाथ	ब्रह्मांड के स्वामी.
785	माधव	लक्ष्मी का संघ.
786	भक्तवत्सल	भ्क्तोंसे प्रेम करनेवाले.
787	सुवर्णवर्ण	जिनका रंग सुनहरा है.
788	हेमाङ्ग	जिनके पास सोने के अंग हैं.
789	वराङ्ग	सुंदर अंगों वाले.
790	चन्दनाङ्गदी	सुंदर बाजूबंद वाले.
791	वीरहा	दुश्मनों का विनाश करनेवाले.
792	विषम	जिनकी किसी और से तुलना नहीं की जा सकती.
793	शून्य	शून्य.

www.likehindi.com

794	घृताशी	जिनको शुभकामनाओं की आवश्यकता नहीं है.
795	अचल	जो मजबूत और स्थिर है.
796	चल	जो चल रहे है.
797	अमानी	जिन्हें गर्व नहीं और जो कुछ भी कर सकते है.
798	मानद	-
799	मान्य	सम्मानित भगवान.
800	लोकस्वामी	जगत के स्वामी.
801	त्रिलोकधृक्	तीन दुनिया धारण करनेवाला.
802	सुमेधा	भगवान जो शुद्ध बुद्धि है.
803	मेधज	प्रभु जो बलिदान से पैदा हुए है.
804	धन्य	भगवान जो भाग्यशाली है.
805	सत्यमेधा	जिनकी बुद्धिमत्ता कभी विफल नहीं होती.
806	धराधर	पृथ्वी के एकमात्र समर्थक.
807	तेजोवृष	प्रभु जो चमकते है.
808	द्युतिधर	जो एक प्रभावशाली रूप धारण करते है.
809	सर्वशस्त्रभृतांवर	हथियारों को चलाने वालों में सबसे अच्छे.
810	प्रग्रह	विशाल उपहारों को प्राप्त करनेवाले.
811	निग्रह	प्रभु जो अपने भीतर हर चीज रखते है.
812	व्यग्र	भक्त की इच्छाओं को पूरा करनेवाले.
813	नैकशृङ्ग	प्रभु जिनके पास कई सींग है.
814	गदाग्रज	जिनका मंत्र के माध्यम से आह्वान किया जाता है.
815	चतुर्मूर्ति	जिनके पास चार रूप हैं.
816	चतुर्बाहु	जिनके पास चार हाथ हैं.
817	चतुर्व्यूह	-
818	चतुर्गति	चार वर्ण और अश्राम का अंतिम लक्ष.
819	चतुरात्मा	शुद्ध मन वाले.
820	चतुर्भाव	चार पुरुषर्थ के स्रोत.
821	चतुर्वेदवित्	चार वेद के जानकर.
822	एकपात्	-
823	समावर्त	भक्तों के लाभ के लिए बार-बार अवतार लेनेवाले.

www.likehindi.com

824	अनिवृत्तात्मा	जो हमेशा हर जगह उपलब्ध है.
825	दुर्जय	जिन्हें नहीं जीता जासकता.
826	दुरतिक्रम	जिनके आदेश कभी अवज्ञा नहीं कर सकते.
827	दुर्लभ	जिन्हें बहुत प्रयास के साथ प्राप्त किया जा सकता है.
828	दुर्गम	जिन्हें महान प्रयास के साथ महसूस किया जा सकता है.
829	दुर्ग	जिन्हें आसानी से प्राप्त नहीं किया जाता है.
830	दुरावासा	जिन्के निवास स्थन को प्राप्त करना आसान नहीं.
831	वेदविद	प्रभु जो वेदों पर विचार करते हैं.
832	कवि	जो सब जानते है.
833	लोकाध्यक्ष	जो ब्रह्मांड के अधिपति है.
834	सुराध्यक्ष	जो देवो के स्वामी है.
835	धर्माध्यक्ष	जो धर्म के प्रतिक है.
836	कृताकृत	जो सब कुछ का साधन और परिणाम है.
837	चतुरात्मा	प्रभु जो अपनी प्रकृति में चार गुना है.
838	चतुर्व्यूह	चार अभिव्यक्तियों के स्वामी.
839	चतुर्दंष्ट्र	-
840	चतुर्भुज	चार हाथोवाले भगवान.
841	भ्राजिष्णु	जो चमकदार है.
842	भोजनं	जो आनंद का उदेश्य है.
843	भोक्ता	प्रभु जो प्रकृति के उपभोक्ता है.
844	सहिष्णु	जो क्षमाकर्ता है.
845	जगदादिज	जो दुनिया से पहले अस्तित्व में है.
846	अनघ	जो पापहीन है.
847	विजय	जो सदैव विजेता है.
848	जेता	जो सदैव सफल है.
849	विश्वयोनि	जो विश्व का स्त्रोत है.
850	पुनर्वसु	जो अपनी रचनाओं का पुनर्निर्माण करते है.
851	उपेन्द्र	देवता इंद्रा के बेड भाई.
852	वामन	भगवान वामन अवतार.
853	प्रांशु	सबसे बड़े शरीर वाले.
854	अमोघ	जिनका कार्य एक महान उद्देश्य के लिए है.

www.likehindi.com

855	शुचि	जो निर्दयता से साफ है.
856	उर्जित	ताकतवर भगवान.
857	अतीन्द्र	देवता इंद्र से उच्च.
858	संग्रह	जो सबको धारण करते है.
859	सर्ग	जिनसे दुनिया उत्पन हुई.
860	धृतात्मा	जिन्होंने खुदका निर्माण किया.
861	नियम	नियुक्ति प्राधिकारी भगवान.
862	यम	प्रशासक भगवान.
863	वेद्य	प्रभु जो जाना जा सके.
864	वैद्य	सभी विद्या के जानकार.
865	सदायोगी	निरंतर योगिक ध्यान वाले.
866	वीरहा	सभी राक्षसों के विनाशक.
867	माधव	ज्ञान के भगवान.
868	मधु	भक्तो के लिए शहद समान.
869	अतीन्द्रिय	प्रभु जो भावना अंगों से परे हैं.
870	महामाय	जो विश्व की माया रचते है.
871	महोत्साह	प्रभु जो बहुत उत्साह है.
872	महाबल	बलशाली भगवान.
873	महाबुद्धि	बुद्धिमान भगवान.
874	महावीर्य	सबसे अधिक उर्जावान.
875	महाशक्ति	महाशक्ति के दाता.
876	महाद्युति	तेजस्वी चमकनेवाले भगवान.
877	अनिर्देश्यवपु	अनिश्चित (निराकार) रूप का स्वामी.
878	श्रीमान्	समृद्धि के ईश्वर.
879	अमेयात्मा	जिसका सार अतुलनीय है.
880	महाद्रिधृक्	प्रभु जिन्होंने बड़े पहाड़ों को उठाया.
881	दुराधर्ष	जिनपर आक्रमण नही किया जा सकता.
882	कृतज्ञ	सभी जीवो का अच्छा बुरा जाननेवाले.
883	कृति	सभी कार्यो को सफलता देनेवाले.
884	आत्मवान्	सभी प्राणियों की आत्मा.
885	सुरेश	सभी देवताओं का स्वामी
886	शरणम	शरण देनेवाले.
887	शर्म	जो अनंत आनंद है.
888	विश्वरेता	ब्रह्मांड के बीज.

www.likehindi.com

889	प्रजाभव	मनुष्य के अस्तित्व का कारण.
890	अह	जो दिन के रूप में उज्ज्वल.
891	सम्वत्सर	-
892	व्याल	जिनको पूरा समझा नहीं जा सकता.
893	प्रत्यय	जो ज्ञान का अस्तित्वा है.
894	सर्वदर्शन	प्रभु जो सब कुछ देखता है.
895	अज	वह प्रभु जिसके पास जन्म नहीं है.
896	सर्वेश्वर	सबका स्वामी.
897	सिद्ध	जो हमेशा हर जगह रहते है.
898	सिद्धि	सभी इच्छा के परिणाम.
899	सर्वादि	सब कुछ के लिए प्राथमिक कारण.
900	अच्युत	जिनमे जन्म, क्षय जैसे कोई बदल नहीं होते.
901	वृषाकपि	जिन्होंने वराह अवतार में पृथ्वी को उठाया था.
902	अमेयात्मा	भगवान जिसका कद नहीं मापा जा सकता.
903	सर्वयोगविनिःसृत	प्रभु जो सभी योगों द्वारा जाना जाते है.
904	वसु	जो प्रत्यक जिव में रहते है.
905	वसुमना	प्रभु जो अच्छा दिल रखते है.
906	सत्य	प्रभु जो सच्चाई व्यक्तित्व है.
907	समात्मा	प्रभु जो सभी में समान है.
908	सम्मित	-
909	सम	प्रभु जो हर समय अपरिवर्तनीय है.
910	अमोघ	जिनकी अराधना करने से सबकुछ मिलता है.
911	पुण्डरीकाक्ष	-
912	वृषकर्मा	जिनका हर कार्य धार्मिक है.
913	वृषाकृति	धर्म को बनाए रखने के लिए पैदा हुए है.
914	रुद्र	दुःख को नष्ट करनेवाले.
915	बहुशिरा	जिनके अनेक सिर है.
916	बभ्रु	विश्व को धारण करनेवाले.
917	विश्वयोनि	विश्व का कारण.
918	शुचिश्रवा	भगवान जो सुंदर, पवित्र नाम हैं.
919	अमृत	अमर भगवान.
920	शाश्वतस्थाणु	जो पूर्ण सत्य है.

www.likehindi.com

921	वरारोह	वह जो प्राप्ति के सबसे सर्वोच्च बिंदु है.
922	महातपा	सबसे बड़े तपस्वी.
923	सर्वग	-
924	सर्वविद्भानु	जो सर्वज्ञानी है.
925	विश्वक्सेन	सभी दिशाओं से राक्षसों की सेनाओं का विनाश करनेवाले.
926	जनार्दन	जी बुरे लोग को विनाश करते है.
927	वेद	भगवान जो वेद है.
928	वेदविद	वेदों के ज्ञानी.
929	अव्यङ्ग	जो सटीक है.
930	वेदाङ्ग	प्रभु जिनके अंग वेद हैं.
931	सम्भव	वह जो हर चीज को संभव कर सकता है.
932	भावन	अपने भक्तो को सबकुछ दनेवाले.
933	भर्ता	जीवित दुनिया के नियंत्रक.
934	प्रभव	जिसमें सभी चीजें पैदा हुई थीं.
935	प्रभु	सर्वशक्तिमान भगवान
936	ईश्वर	सभी प्राणियों को नियंत्रित और नियम देने वाले.
937	स्वयम्भू	प्रभु जो खुद से प्रकट होते हैं.
938	शम्भु	जो हर खुशी का कारण.
939	आदित्य	सूर्य या अदिति का पुत्र.
940	पुष्कराक्ष	कमल नयनो वाले.
941	महास्वन	-
942	अनादिनिधन	जिनका कोई अंत नहीं.
943	धाता	सबको बनानेवाला.
944	विधाता	प्रभु जो सभी कार्यों और उनके परिणाम बनाता है
945	धातुरुत्तम	वह प्रभु जो निर्माता से अधिक है.
946	अप्रमेय	नियम, विनियम और परिभाषाओं से परे है.
947	हृषीकेश	इंद्रियों का स्वामी
948	पद्मनाभ	जिनकी नाभि से कमल का जन्म होता है.
949	अमरप्रभु	अमरता के भगवान.
950	विश्वकर्मा	ब्रह्मांड का निर्माता.
951	मनु	प्रभु जो हर चीज की सोचता है.

www.likehindi.com

952	त्वष्टा	प्रभु जो विशाल चीजें छोटे बनाता है.
953	स्थविष्ठ	सर्वोच्च रूप से सकल।
954	स्थविरो ध्रुव	प्रभु जो प्राचीन और स्थायी है।
955	अग्राह्य	जो समज से परे है.
956	शाश्वत	प्रभु जो हमेशा एक ही रहता है.
957	कृष्ण	जिनका रंग नीला है.
958	लोहिताक्ष	कमल सामान लाल आँखों वाले.
959	प्रतर्दन	जलप्रलय के विनाशक.
960	प्रभूत	जो प्रभु जो धन और ज्ञान से भरा है
961	त्रिककुब्धाम	सभी दिशाओं के स्वामी.
962	पवित्रं	प्रभु जो दिल को शुद्धता देता है
963	मङ्गलंपरम्	शुभताशक्ति का अवतार.
964	ईशान	सब कुछ पर शासन करता है.
965	प्राणद	सबको प्राणवायु देनेवाले.
966	प्राण	जो विश्वकी आत्मा है.
967	ज्येष्ठ	प्रभु जो अन्य सभी के लिए बुजुर्ग है.
968	श्रेष्ठ	जो अन्य सभी से बेहतर है.
969	प्रजापति	मनुष्यों के प्रमुख हैं.
970	हिरण्यगर्भ	प्रभु जो दुनिया के गर्भ में रहता है.
971	भूगर्भ	वह प्रभु जो पृथ्वी को अपने भीतर रखता है.
972	माधव	जो लक्ष्मी के भगवान है.
973	मधुसूदन	मधु राक्षस का विनाश करनेवाले.
974	ईश्वर	नियंत्रक.
975	विक्रमी	पराक्रमी परमेश्वर.
976	धन्वी	सर्वश्रेष्ट धनुर्धर.
977	मेधावी	सर्वोच्च बुद्धिमान.
978	विक्रम	दुनिया को मापाने वाले.
979	क्रम	जो ब्रह्मांड में आदेश का आधार है
980	अनुत्तम	जिनसे बेहतर कोई नहीं है.
981	यज्ञान्तकृत्	प्रभु जो यज्ञ के समापन कार्य करते है.
982	यज्ञगुह्यम्	भगवान जो यज्ञ के रहस्य है.
983	अन्नं	प्रभु जो भोजन है.
984	अन्नाद	जो भगवान खाना खाते है.

www.likehindi.com

985	आत्मयोनि	भगवान जिनके पास खुद को छोड़कर कोई कारण या स्रोत नहीं है.
986	स्वयंजात	प्रभु जो अपने जन्म का कारण है.
987	वैखान	पृथ्वी को एक सूअर (वरहा) के रूप में खोदनेवाले.
988	सामगायन	सामा वेद पढनेवाले.
989	देवकीनन्दन	देवकी के पुत्र.
990	स्रष्टा	दुनिया को बनानेवाले.
991	क्षितीश	धरती के भगवान.
992	पापनाशन	पापनाशक भगवान.
993	शङ्खभृत्	जो 'पंचजन्य' नामक खोल को चलाते है.
994	नन्दकी	प्रभु जो 'नंदका' तलवार रखते है.
995	चक्री	सुदर्शन चक्र के स्वामी.
996	शार्ङ्गधन्वा	सारांगा धनुष्य रखनेवाले.
997	गदाधर	जिनके पास कमोदाकी नामकी गदा है.
998	रथाङ्गपाणि	जिनके हाथ एक में सुदर्शन चक्र है.
999	अक्षोभ्य	वह भगवान जो किसी से नाराज नहीं होते.
1000	सर्वप्रहरणायुध	जिनकेपास सभी प्रकार के हमले और लड़ाई के लिए सभी उपकरण हैं.

www.likehindi.com